अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

नारीलोक

नवम्बर 2023 अंक 304

NEELAM SETHIA
28/1 Shivaya Nagar 4th Cross
Reddiyur, Salem 636004. (TN)
9952426060
neelamsethia@gmail.com

अध्यक्षीय अनुभूति

प्रिय बहनों!

इस घड़ी अतीत पर दृष्टिपात करूं तो 16 वर्षों पूर्व तलहटी से प्रारम्भ हुई शिखर तक की यात्रा की अनेक स्मृतियां मस्तिष्क पटल पर अठखेलियां कर रही है। समर्पिता से प्रारम्भ हुई मेरी यह अध्यक्षीय यात्रा, केसरिया शक्ति का परचम फहराते हुए क्षितिज की असीम संभावनाओं तक पहुंच गई। दो वर्ष पूर्व चित्तौड़गढ़–भीलवाड़ा जैसी वीर भूमि में दायित्व शिरोधार्य किया। श्रद्धेय गुरुदेव के श्रीमुख से प्राप्त आशीर्वचन का ही सुफल है कि निर्बाध निर्विघ्न रूप से कार्यकाल पूण हुआ। दो वर्षीय यात्रा में हर पल ऐसा प्रतीत होता रहा जैसे श्रद्धेय गुरुदेव के वरदहस्त की छांव और उनके आशीर्वाद का साया निरन्तर मेरा साहचर्य बन चलता रहा। मस्तिष्क में आकार लेती हर कल्पना को यथार्थ का धरातल तभी मिल सकता है, जब गुरु की शुभ दृष्टि की वृष्टि होती रहे।

गुरु के अनमोल बोल शक्ति का स्रोत बना, कठिनाई में करुणा दृष्टि आत्मविश्वास बनी, सेवा का हर पल सुखद एहसास बना। गुरु के ऊर्जा सम्पन्न वचन सदैव करुणा, पवित्रता और सत्य की सौरभ से सुरभित होते हैं और उन गुणों ने एकीभूत होकर मेरी कार्यप्रणाली पर सकारात्मक प्रभाव डाला। दो वर्षों में बीता हुआ हर लम्हा, आत्मविश्वास से सराबोर रहा क्योंकि गुरु की भक्ति मेरे भीतर की शक्ति को झंकृत करती रही।

नवम साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी ने विकास के सूत्रों से अभिनव सिंचन प्रदान किया। उनके वात्सल्य रस बरसाते नयनों ने मेरे उत्साह में संवर्द्धन किया। उनके अभिज्ञान से हम परचम फहराते रहे। दो साध्वीप्रमुखाओं के स्नेह और वात्सल्य ने मेरे अध्यक्षीय कार्यकाल को सिंचित किया। अध्यक्षीय कार्यकाल में अनुत्तर संयम साधिका 'शासन माता' के आशीर्वाद को सदैव मैंने अपने महसूस किया है।

आध्यात्मिक पर्यवेक्षक 'शासन गौरव' साध्वीश्री कल्पलताजी की प्रेरणा ने संस्था को विस्तार दिया। उनके आशीर्वाद और ममता के आच्छादन में मुझे पोषण मिला। वे दूर रहें या पास, अनुशासन की डोर से हम सबको बांधे रखा।

आस्था, अध्यात्म, आवर्धन और आत्मविश्वास के अटल स्तम्भों पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का परचम लहरा रहा है। ऐसी गौरवशाली संस्था का राष्ट्रीय नेतृत्व अपने आप में सौभाग्य एवं गौरव का विषय है। इस नेतृत्व के साथ मुझे दायित्व बोध और कर्त्तव्यनिष्ठा का एहसास भी संभवतः सुप्त अवस्था में भी अवचेतन मन में जागृत रहा। जितनी बार भी बहनों ने ललाट पर तिलक लगाया, उस कुंकुम की लालिमा ने सदैव पुरुषार्थ और जागरूकता को मेरे भीतर जीवन्त रखा। आपका हर स्वागत–सत्कार मेरे अन्तःस्तल पर अमिट हस्ताक्षर कर गया।

इन दो वर्षों में आप सबसे स्नेह, वात्सल्य, सम्मान मिला, वह मेरे जीवन की अनमोल धरोहर है। आपके सशक्त हाथ मेरी ताकत बने। आपका उत्साह मेरा हौसला बना। आपका पुरुषार्थ मेरा जज्बा बना। आपके सधे हुए कदम मेरा आत्मविश्वास बना।

इस द्विवर्षीय सफर में ना कोई रुकावट आई ना ही थकावट। उत्साह से ओतःप्रोत बहनों को देख सदैव मुस्कुराहट ही आई। बहनों एवं कन्याओं द्वारा कृत कार्यों से संस्था महक उठी है। आप सबकी कर्मजा शक्ति का अभिनन्दन करते हुए मेरा मन अहोभाव से भर रहा है। आपने संस्था की योजनाओं, आयामों एवं निर्देशों को प्राण प्रण से मूर्त रूप दिया है। आप द्वारा प्रदत्त स्नेह और सम्मान मेरे जीवन के चिरस्थाई स्मृतियों का हिस्सा बन चुके हैं। अपनी मातृ संस्था के प्रति समर्पण भाव एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ पूर्ण राष्ट्रीय कार्यसमिति के प्रति आप सबके आदर भाव से मन गद्‌गद् हो गया। बहनों! कार्यकर्त्ता ही संस्था को ऊचाइयां देते हैं, आप सबके कृत कार्यों की महक से केसरिया उपवन सुरभित हो गया है।

दायित्व कालावधि में यात्राओं के दौरान बिताए 353 दिनों में मेरा पूर्ण प्रयास रहा कि मैं प्रत्येक बहन की जिज्ञासा का समाधान देते हुए संस्था के विकास हेतु नवीन चिन्तन दे सकूं। इन दो वर्षों के दौरान 20 आंचलिक कार्यशालाएं, 59 क्षेत्रीय कार्यशालाएं एवं 8 प्रबुद्ध महिला सेमिनार संपादित हुए। यात्राओं के दौरान 28 कन्या सुरक्षा सर्कल, 15 फिजियोथेरेपी सेन्टर, 1354 बेंच तथा 110 लाइब्रेरी का उद्घाटन एवं अवलोकन किया। कर्म प्रकृति एवं तत्त्व बोध को सरलता से समझाने

वाले दो अति उपयोगी बोर्ड गेम्स, गुरुदेव षष्टिपूर्ति एवं शासन माता अमृत महोत्सव पर नारीलोक के दो विशेषांक, दो श्रुतोत्सव दीक्षान्त समारोह, नवम साध्वीप्रमुखा चयन पर समर्पित जैनधर्मोस्तु मंगलम् के 5 संस्करण, शासनमाता की कृतियों को समर्पित काव्यामृतम्, श्रद्धेय आचार्यप्रवर के संयम पर्याय के अमृत वर्ष पर 51 तत्त्वसंबोध स्टडी सेन्टर, कला अभ्युदय योजना के तहत 40 महिलाएं आत्मनिर्भर, आदि अनेकानेक प्रवृत्तियों को संवर्द्धन मिला। बहनों हेतु बहुआयामी विकास की कुछ राहें निर्धारित की, जिसमें व्यक्तित्व विकास, प्रौद्योगिक विकास, वित्तीय सशक्तिकरण, आध्यात्मिक आदि प्रमुख रहे। बहनों की पहचान और वैयक्तिकता को कैसे विस्तार मिले, इस पर मैंने पुरजोर प्रयास किया। आपकी इस दिशा में हुई उन्नति भविष्य में भी प्रवर्द्धमान रहे, यही शुभकामना।

रास्ते आसां तो न थे, पर अंधेरा होने पर ना जाने कौन सी दिव्य शक्ति सदा एक रोशनी दिखाती रही। इस राह में कुछ ऐसे सहयोगी साथ चलते रहे जो हर स्थिति–परिस्थिति में मेरे उत्साह और आत्मविश्वास को संवर्द्धित करते चले गए।

इस द्विवर्षीय सफर की हर उपलब्धि आपके पुरुषार्थ, आपके सशक्तिकरण, आपके समर्पण और आपके आत्मविश्वास का प्रमाण दे रही है। आपसे विदा लेते हुए यही कामना करती हूं कि आप सबकी प्रगति की राहें प्रशस्त रहे। अपना ऐसा क्षितिज निर्धारित करें, जिससे आपको लक्षित मंजिल की ओर पहुंचने तक का मार्ग स्पष्ट नजर आए।

आप लोगों का साथ पाकर मन मुदित हो गया।
आप लोगों के स्नेह से अंतर्मन पुलकित हो गया।
बनते–बिगड़ते हैं जीवन–पथ पर रिश्ते बहुत मगर,
आप लोगों से यह अनमोल बन्धन अमिट हो गया।
चले थे इस सफर में हम कुछ विजन के साथ
जुड़ते रहे आप लोग तो सफर मन मीत हो गया।
आभारी हैं आपके जो इतना प्यार दिया मुझे
कब, कैसे ये संबंध अपना पावन पुनीत हो गया।।

आपसे प्राप्त आदर भाव एवं सहकारिता हेतु आपका अंतर्मन से आभार प्रकट करती हूं। आपके भावी आध्यात्मिक जीवन हेतु शुभकामनाओं सहित कार्यकाल के दौरान हुई त्रुटियों हेतु बारम्बार सरल हृदय से खमतखामणा।

आपकी अपनी

नीलम सेठिया

अध्यक्ष (2021–2023)

कृतज्ञता के स्वर

- अन्तर्मन से अनन्त कृतज्ञता – अनन्त ऊर्जा प्रदाता, सुमति प्रदाता, परम श्रद्धेय आचार्यश्री महाश्रमणजी के चरणों में, जिनके ओजस्वी आभावलय में 48वां राष्ट्रीय महिला अधिवेशन सानन्द सम्पन्न हुआ। गुरुदेवश्री ने अपना बहुमूल्य समय प्रदान करवाते हुए जो कृपा बरसाई, वह हमारे जीवन की अनमोल धरोहर बन गई। आपश्री द्वारा प्रदत्त अमृत देशना का हर एक स्वर प्रतिध्वनि बनकर अंतर्मन में गूंजायमान रहेगा... अनन्त कृतज्ञता...
- हृदय की अशेष गहराईयों से कृतज्ञता ज्ञापित करती हूं श्रद्धेया साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी के चरणों में, जिनकी वात्सल्यमयी दृष्टि, प्रेरणा एवं प्रोत्साहन भरे मार्गदर्शन से बहनों के भीतर अद्भुत कर्मजा शक्ति का संचार हुआ... नतमस्तक कृतज्ञता...
- विनम्र कृतज्ञता श्रद्धेय मुख्यमुनिश्री एवं श्रद्धेया साध्वीवर्याजी के चरणों में, जिनसे श्रावकत्व को पुष्ट करने की प्रेरणा प्राप्त हुई।
- सविनय कृतज्ञता शासन गौरव साध्वीश्री कल्पलताजी के चरणों में, जिनके अनुभवों से नि:सृत पथदर्शन एवं उर्वर चिन्तन ने संस्था को सदैव ऊंचाइयां दी। आपका मार्गदर्शन हमारी प्रगति का आधार रहा है।
- कृतज्ञता साध्वीश्री जिनप्रभाजी के चरणों में, जिन्होंने आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना को शतशाखी बनाने में अपना श्रम नियोजित किया।
- कृतज्ञता साधु–साध्वी एवं समणीवृंद के प्रति, जिनका प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष मार्गदर्शन मुझे सदैव प्राप्त होता रहा।

आभार

- हार्दिक आभार आचार्य महाश्रमण चातुर्मास प्रवास व्यवस्था समिति मुंबई की पूरी टीम का, जिन्होंने सम्पूर्ण व्यवस्थाओं में अपना महनीय योगदान दिया।
- अधिवेशन को सफल बनाने में महत्त्वपूर्ण योगदान देने हेतु मुंबई तेरापंथ महिला मंडल एवं मुंबई कन्या मंडल का दिल की गहराइयों से आभार।
- अधिवेशन के कार्यक्रम के प्रचार–प्रसार को देश–विदेश तक फैलाने में अमृतवाणी, जेटीएन, संघ–संवाद, एमएमबीजी आदि का आभार।
- अणुव्रत यात्रा में कार्यरत समस्त सहयोगियों का सहृदय आभार।
- अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के समस्त सदस्यों से प्रत्यक्ष–परोक्ष रूप से मिले सहयोग के प्रति अंतर्मन से आभार।

अमृत निर्झर

किसी का अहित सोचना इस मन का दुरुपयोग होता है। मन से हर एक के लिए अच्छा चिंतन करने वाला मन सुमन होता है। हम सदा सुमन रहें व दुर्मन से बचें। हमारा मन आर्त व रौद्र मन न बनें। मन से सुख व दुःख दोनों की अनुभूति हो सकती है। मन सदा सदुपयोग से सम्पन्न रहे। मन प्रमाद–मुक्त व प्रसन्नता–युक्त रहे। मन में यदि बुरे विचारों का प्रवेश हो तो सोचें – ये विचार मेरे नहीं हैं। अपने मन को उन विचारों से अलग कर लो व अच्छे संकल्पों को मन में धारण कर लो।

स्वागत नव नेतृत्व का

श्रीमती पुष्पा बैंगानी
चीफ ट्रस्टी
854, Veer Apartment,
Rohini Sec.-13, Delhi 110085
Mob. 9311250290
Email : pushpabengani@gmail.com

श्रीमती सरिता डागा
राष्ट्रीय अध्यक्ष
45-46, Gem Enclave, Pradhan Marg,
Malviya Nagar, Jaipur 302017
Mob. 9413339841
Email : sarita.daga21@gmail.com

श्रीमती नीतू ओस्तवाल
महामंत्री
5-O-1&2, R.C.Vyas Colony,
"Suryansh" Bhilwara 311001.
Mob. 9461531077
Email : ostwal.nitu11@gmail.com

उपाध्यक्ष श्रीमती सुमन नाहटा, श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा

सहमंत्री श्रीमती निधि सेखानी, डॉ. वन्दना बरड़िया

कोषाध्यक्ष श्रीमती तरुणा बोहरा

प्रचार प्रसार श्रीमती सरिता बरलोटा

संगठन मंत्री श्रीमती रमण पटावरी

आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत संचालित
तत्त्व विज्ञ पाठ्यक्रम एवं Spiritual Enhancement Programme के आर्थिक संपोषणकर्त्ता
श्री सुमतिचन्दजी श्रीमती सुमनश्री गोठी परिवार (सरदारशहर–मुंबई)

48वां राष्ट्रीय महिला अधिवेशन
7-8-9 अक्टूबर 2023, मुंबई

7 अक्टूबर 2023 – शुभारंभ सत्र
परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमण जी के सान्निध्य में

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के 48वें महिला अधिवेशन 'क्षितिज... असीम संभावनाओं के' का शुभारंभ दिनांक 7 अक्टूबर 2023 को नंदनवन परिसर में परम श्रद्धेय आचार्य श्री महाश्रमण की पावन सन्निधि में हुआ। अधिवेशन का शुभारंभ लोगो अनावरण के साथ हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने गुरु चरणों में प्रतिभागी सभी बहनों की ओर से अभिवंदना एवम सुखप्रच्छा की। द्विवर्षीय सफर हेतु राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कृतज्ञ भाव से निवेदन किया कि 16 वर्ष पूर्व तलहटी से प्रारंभ हुई यह यात्रा गुरु कृपा से पूर्णता की ओर है । महामंत्री मधु देरासरिया ने प्रतिवेदन समर्पित किया। आचार्य प्रवर ने अपने मंगल आशीर्वचन में फरमाया कि ज्ञान, दर्शन, चारित्र और तप जीवन की अमूल्य संपत्ति हैं । ज्ञान का जीवन में विकास हो, सम्यक दर्शन पुष्ट रहे, त्याग प्रत्याख्यान द्वारा चारित्र की पुष्टि करें, जीवन में तप की आराधना करें। आचार्य प्रवर ने महिला मंडल के विकास में शासन माता के अमूल्य योगदान का भी स्मरण किया। पूज्य गुरुदेव ने महिला मंडल के कार्यों के प्रति संतोष व्यक्त करते हुए फरमाया कि आगामी अधिवेशन में अच्छा चिंतन मंथन हो, अच्छा कार्य हो, अच्छी रूपरेखा बने। नये अध्यक्ष के नेतृत्व में महिला मंडल अच्छा आध्यात्मिक विकास करे – इस आशीर्वाद के साथ पूज्य प्रवर ने समुपस्थित केंद्रीय टीम को मंगल पाठ से कृतार्थ किया।

उत्साहवर्धक सत्र

परम श्रद्धेय आचार्य श्री महाश्रमण जी के मुखारविंद से मंगल पाठ श्रवण कर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने 48वें राष्ट्रीय अधिवेशन के शुभारंभ की घोषणा की। श्रद्धेया साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी के सान्निध्य में इस सत्र का आयोजन हुआ। मुंबई महिला मंडल की बहनों द्वारा मंगलाचरण के पश्चात चीफ ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी ने अधिवेशन में पधारी सभी बहनों का स्वागत करते हुए कहा कि जिस संगठन का नेतृत्व मजबूत हो उस संगठन को आगे आने से कोई नहीं रोक सकता। साध्वीवर्याश्री संबुद्धयशाजी ने अपने उद्बोधन में फरमाया कि संगठन के नेता का ये दायित्व होता है कि वह सभी को साथ ले कर चले और संगठन के सदस्यों का भी दायित्व होता है कि वे अपने नेता की

बात को प्राथमिकता दें। जो संगठन समय अनुसार कार्य करता है वह संगठन आगे बढ़ता है। जिस संस्था में परंपरा के साथ नवीनता भी अपनायी जाती है वह संस्था विकास करती है। आपने फरमाया कि अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल पुरानी परंपराओं के साथ नवीनता को सम्मिलित कर हर कार्य पूर्ण करती है। इस सत्र का कुशल संचालन श्रीमती रमन पटावरी ने किया।

साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी ने सभी बहनों को प्रेरणा देते हुए कहा कि मंडल किसी एक बहन का नहीं अपितु सब का होता है। मंडल के सभी सदस्यों को मंडल के कार्यों को महत्त्व देना चाहिये। मंडल से जुड़कर बहनों की अपनी एक पहचान बनती है। हमें कभी यह नहीं सोचना चाहिए कि मंडल हमारे लिए क्या कर रहा है बल्कि यह सोचना है कि हम मंडल के लिए क्या कर रहे हैं। आपने बहनों को तत्त्व ज्ञान सीखने, सादगी पूर्ण एवं अनुशासित जीवन जीने की प्रेरणा दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया, महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया सहित सभी पदाधिकारियों ने साध्वी प्रमुखा श्री व साध्वी वर्या के श्री चरणों में प्रतिवेदन भेंट किया। महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने साध्वी प्रमुखा श्री के चरणों में कृतज्ञता ज्ञापित की। सत्र का संचालन सहमंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल ने किया।

अभिनंदन सत्र

तत्पश्चात कार्यक्रम के द्वितीय चरण में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया द्वारा सभी शाखा मंडल के अध्यक्षों को अध्यक्षीय कॉलर पहनाकर अभिनंदन किया गया। सभी प्रांतों का विशिष्ट अंदाज़ में अभिनंदन किया गया। इस इंडक्शन सेरेमनी से शाखा मंडलों को अतिरेक प्रसन्नता एवं गौरव की अनुभूति हुई। सभी स्थानीय अध्यक्ष से अनुरोध किया गया कि इस कॉलर बैज को मंडल के विशेष कार्यक्रमों में पहनना है और अपना कार्यकाल संपन्न होने के बाद आगामी नेतृत्व को सौंप देना है। महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने सभी का उत्साहवर्धन किया। इस सत्र को सफल बनाने में श्रीमती मंजुला डूंगरवाल, श्रीमती विनीता बैंगानी एवं श्रीमती संगीता बाफना का सार्थक श्रम लगा।

उत्कर्ष सत्र

सायंकालीन सत्र में शनिवार की सामायिक के साथ तेरापंथ प्रबोध एवं पुरानी ढालों का पुनरावर्तन करवाया गया। श्रीमती राजुल मनोत, श्रीमती शिल्पा बैद, श्रीमती संगीता बाफना (पालघर) ने रिवाइवल घो.चि.पू.लि. पर आधारित प्रतियोगिता करवाई। श्रीमती कुमुद कछारा एवं श्रीमती निर्मला चंडालिया ने अर्हत् वंदना एवं जप करवाया। महामंत्री

श्रीमती मधु देरासरिया ने अपना मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने 'नेतृत्व की डोर – सफलता की ओर' विषय पर प्रेरक वक्तव्य दिया। स्थाई प्रकल्प/आयामों हेतु शाखाओं को मेमेंटों प्रदान किए गए। संचालन श्रीमती अदिति सेखानी एवं श्रीमती रचना हिरण ने किया।

8 अक्टूबर 2023 – अभ्युदय सत्र

अधिवेशन के द्वितीय दिवस के प्रथम सत्र अभ्युदय सत्र का आयोजन श्रद्धेया साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी के सान्निध्य में गानसम्राज्ञी भारत रत्न लता मंगेशकर ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ। सूरत महिला मंडल के मंगला चरण से प्रारंभ हुए इस सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष नीलम सेठिया ने सभी का अभिनंदन किया और सभी बहनों को मोटिवेट करते हुए अपने विचारों की सुंदर प्रस्तुति दी। साध्वीप्रमुखाश्रीजी के प्रति अपने कृतज्ञ भावोद्गार प्रस्तुत किए। साध्वीप्रमुखाश्रीजी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में फरमाया कि बहनों के विकास का श्रेय गणाधिपति गुरुदेव श्री तुलसी को जाता है जिन्होंने बहनों को आगे लाने का चिंतन किया और आज उनके ही कारण बहनें अपना विकास कर स्वयं की पहचान बना रही है। पद तो एक व्यवस्था है। पदस्थ व्यक्ति तो कार्य करता ही है लेकिन पद मुक्त व्यक्ति को भी कार्य करते रहना चाहिए क्योंकि महत्व सभी का होता है सिर्फ पद का नहीं होता। संगठन के विकास के लिए सभी बहनों को सोचना है। सभी बहनों को अपना व्यवहार मधुर रखना चाहिए,क्योंकि हमारा व्यवहार हमारी पहचान है। प्रमुखा श्री जी ने फरमाया सभी बहनों को अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण तथा कषायों को मन्द करना चाहिए तभी वह अपने परिवार में खुशियां ला सकती है।

महासतीवरम् के प्रेरक उद्बोधन के पश्चात 'संवाद महासतीवरम के साथ' एक विशेष सत्र रखा गया जिसमें बहनों ने अपनी जिज्ञासा रखी और साध्वीप्रमुखाश्रीजी ने सभी को समाधान दिया। साध्वीश्री स्तुति प्रभा जी द्वारा 'समर्पिता है नारी' गीतिका का बहुत ही सुंदर संगान किया। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सभी अनुदानदाताओं एवं आचार्य महाश्रमण चातुर्मास प्रवास व्यवस्था समिति मुंबई का अभिनंदन किया गया। उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने साध्वीप्रमुखाश्रीजी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की एवं सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। सत्र का कुशल संचालन श्रीमती वीणा बैद ने किया।

उन्मेष सत्र

लुधियाना महिला मंडल के मंगलाचरण के साथ उन्मेष सत्र का मंगल शुभारंभ हुआ। श्रीमती सुमन नाहटा ने पूरे सदन के समक्ष संविधान

के मुख्य बिंदुओं को प्रश्नोत्तर शैली में बहुत ही रोचक तरीके से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन श्रीमती सरिता बरलोटा ने किया।

Rewards and Recognition के अन्तर्गत शाखा मंडलों द्वारा कृत कार्यों का मूल्यांकन करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। इस सत्र को विशिष्ट अन्दाज में समायोजित किया गया, जिससे संभागियों का उत्साह अपनी चरम सीमा में दिखाई दिया। श्रीमती तरुणा बोहरा, श्रीमती रचना हिरण, श्रीमती श्वेता सुराणा, श्रीमती सरोज सिंघवी, श्रीमती अल्का मेहता, श्रीमती जूली मेहता, श्रीमती संगीता बाफना (पालघर) एवं मुंबई कन्या मंडल का सार्थक श्रम लगा। एंकर की भूमिका श्रीमती निधि सेखानी, श्रीमती तरुणा बोहरा एवं श्रीमती वन्दना बरड़िया ने निभाई।

अभिनव सत्र

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के साधारण सदन का आयोजन दिनांक 8 अक्टूबर 2023 को नन्दनवन – परिसर मुम्बई में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का मंगल शुभारम्भ रायपुर महिला मंडल के मंगलाचरण से हुआ। महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने गत साधारण सदन की कार्यवाही का वाचन किया जिसे सदन ने सहर्ष पारित किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सठिया ने अपने अन्तर्मन के उद्गारों को अभिव्यक्त करते हुए परम पूज्य गुरुदेव व समस्त चारित्रात्माओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की, शासन गौरव साध्वी श्री कल्पलता जी के प्रति वंदन एवं कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए सम्पूर्ण राष्ट्रीय टीम के प्रति व सदन के प्रति आभार व्यक्त किया। दो वर्षों में शाखा मंडल की बहनों से मिले आत्मीयता एवं सहकारिता हेतु आभार ज्ञापित किया। महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जिसे सदन ने पारित किया। कोषाध्यक्ष श्रीमती रंजू लूणिया ने आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया जिसे सदन ने स्वीकृत किया एवं डॉ. सूरज बरडिया ने संविधान वाचन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने गुरुदेव, प्रमुखाश्री जी, साध्वी श्री कल्पलता जी और शासन माता को कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए अपने चारों माता–पिता को प्रणाम करते हुए संपूर्ण कार्यसमिति के साथ अपना पद विसर्जित किया।

श्रीमती शांता पुगलिया को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया। तत्पश्चात चुनाव अधिकारी श्रीमती कुमुद कच्छारा व सह–चुनाव अधिकारी श्रीमती कल्पना बैद ने नामांकन पत्र का वाचन करते हुए श्रीमती सरिता डागा का नाम वर्ष 2023–25 के लिए सदन के समक्ष रखा जिसे सदन ने सर्वसम्मति से पारित किया। मंगल मंत्रोच्चार के साथ अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष (2023–2025) हेतु श्रीमती सरिता डागा (जयपुर) को मनोनीत किया गया।

संपूर्ण सदन ने नव नेतृत्व का 'ॐ अर्हम्' की ध्वनि से अभिनन्दन किया। मनोनयन के पश्चात् नव–निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आचार्यप्रवर एवं साध्वीप्रमुखाश्रीजी के दर्शन कर उनका मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।

भावना सेवा हेतु किचन वेन का लोकार्पण

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा संचालित निर्जरा का एक विशिष्ट उपक्रम 'भावना सेवा' हेतु किचन वेन का लोकार्पण अधिवेशन के दौरान दि. 9.10.23 के प्रातःकाल किया गया। सर्वप्रथम

परम श्रद्धेय आचार्यप्रवर ने मंगलपाठ सुना कर अपनी शुभ दृष्टि प्रदान की। इस किचन वेन के प्रायोजक श्री कन्हैयालालजी श्रीमती सुशीलाजी पटावरी एवं श्री महेंद्रजी नाहटा (HFCL) हैं। श्रीमती नीतू पटावरी ने वेन पर स्वस्तिक उकेरते हुए इसका लोकार्पण किया एवं वेन की चाबी राष्ट्रीय अध्यक्ष को सुपुर्द की।

9 अक्टूबर 2023 – आस्था सत्र

परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमण जी के सान्निध्य में

प्रात:कालीन प्रवचन के पश्चात आस्था सत्र का शुभारंभ हुआ। दक्षिण दिल्ली एवं मुम्बई महिला मंडल द्वारा मंगलाचरण के पश्चात् निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने अपने भावों की अभिव्यक्ति देते हुए विगत दो वर्षों में जाने अनजाने हुई भूलों के लिए पूज्य गुरुदेव से संपूर्ण महिला मंडल की तरफ से क्षमा याचना की। निवर्तमान महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अगले चरण में श्राविका गौरव अलंकरण श्रीमती भंवरी देवी भंसाली को प्रदान किया गया और सीता देवी सरावगी प्रतिभा पुरस्कार श्रीमती शुभा मेहता, (न्यायाधीश – जयपुर हाई कोर्ट) एवं श्रीमती जयश्री जैन IAS (उपसचिव – छत्तीसगढ़ सरकार) को प्रदान किया गया। श्रीमती भंवरी देवी भंसाली की ओर से उनके सुपुत्र श्री चैनरूप भंसाली, श्रीमती शुभा मेहता एवं श्रीमती जयश्री जैन ने अपने भावों की अभिव्यक्ति दी।

साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी ने अभातेममं द्वारा कृत कार्यों की सराहना करते हुए फरमाया कि सभी शाखा मंडलों में नारी लोक और उसमें दिए गए कार्यों के प्रति बहुत ही उत्साह का भाव रहता है और सभी शाखा मंडल नारीलोक में दिए गए कार्यों को पूर्ण करने के लिए तत्पर रहते हैं। साथ ही उन्होंने फरमाया कि अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को अब एक हाई परफार्मर संस्था बनकर दिखाना है। एक हाई परफार्मर संस्था बनने के लिए 3C - Character, Connection and Contribution आवश्यक हैं।

आचार्य प्रवर ने महती कृपा कर फरमाया – 'अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल एक बहुत अच्छी संस्था प्रतीत हो रही है, श्राविकाओं का यह एक अच्छा संगठन है। तेरापंथ महिला मंडल के होने से कितनी श्राविकाओं को विकास करने का अवसर प्राप्त होता है। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की अनेक गतिविधियां हैं। उसका अच्छा नेटवर्क है। तत्त्वज्ञान, तेरापंथ दर्शनऔर जैन स्कॉलर से संबंधित पाठ्यक्रम भी इस संस्था के द्वारा संचालित हैं। ज्ञान की दृष्टि से यह अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की अच्छी गतिविधियां हैं, जिनसे ज्ञान का अच्छा विकास होने की संभावना बनती है। श्राविका समाज में मैं देखता हूं कि कइयों में वक्तृत्व की अच्छी शैली है, कला है, कौशल है। कहीं बड़ी परिषद में भी वक्तव्य देना हो तो आशा है कि कई श्राविकाएं अच्छी प्रस्तुति दे सकती हैं। श्राविका समाज में कइयों में शिक्षा का भी अच्छा विकास है, ऐसा प्रतीत हो रहा है। श्रद्धा–भक्ति का तो कहना ही क्या, संघ के प्रति, गुरु के प्रति श्रद्धा, भक्ति, भावना, गोचरी–पानी की भावना श्राविका समाज के गुण की बात है।अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल में नए अध्यक्ष का निर्वाचन हुआ है। नए अध्यक्ष अपनी टीम के साथ धार्मिक–आध्यात्मिक गतिविधियों को आगे बढाने में अपने योगदान देते रहें। निवर्तमान अध्यक्ष आदि भी धार्मिक–आध्यात्मिक सेवा में अपना यथोचित योगदान देते रहें। पदमुक्त होने पर भी उचित रूप में यथासंभव कार्ययुक्तता बनी रहे। श्राविकाएं कार्य करती हैं, उसमें पुरुषों का भी योगदान, सहयोग होता है, तब कार्य करने में सुविधा हो सकती है। सेठिया परिवार और डागा परिवार को सेवा का अवसर मिलना परिवार के लिए भी अच्छी बात होती है।

नव निर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा को निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने शपथ ग्रहण करवाई। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने अपनी नई टीम की घोषणा करते हुए उन्हें शपथ दिलवाई। नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष ने गुरु चरणों में अपनी अभिवंदना निवेदित करते हुए संस्कार सेतु के रूप अपना ग्यारह सूत्री विज़न प्रस्तुत किया।

43वां राष्ट्रीय
महिला अधि

50

अखिल भारतीय
तेरापंथ महिला मंडल
Awards
Ceremony

मुंबई

अखिल भारतीय तेरापंथ

अखिल भारतीय

48वें राष्ट्रीय महिला अधिवेशन में श्रेष्ठ शाखाओं को बधाई

कस्बा

- प्रथम गुरुग्राम
- द्वितीय बेहाला
- तृतीय चुरू
- प्रोत्साहन के.जी.एफ.
- प्रोत्साहन टी.दासरहल्ली
- प्रोत्साहन इस्लामपुर
- प्रोत्साहन डूंगरी

ग्राम

- प्रथम नोएडा
- द्वितीय जलगांव
- द्वितीय कांकरोली
- तृतीय मैसुरु
- तृतीय फरीदाबाद
- प्रोत्साहन लाडनूं
- प्रोत्साहन कोयम्बत्तूर
- प्रोत्साहन पाली
- प्रोत्साहन राजाजीनगर

शहर

- प्रथम काठमांडू
- द्वितीय रायपुर
- तृतीय सिलीगुड़ी
- प्रोत्साहन जोधपुर सरदारपुरा
- प्रोत्साहन राजराजेश्वरी नगर

नगर

- प्रथम विजयनगर
- द्वितीय पूर्वांचल कोलकाता
- द्वितीय बालोतरा
- तृतीय उधना
- तृतीय उदयपुर
- प्रोत्साहन जयपुर सी-स्कीम

महानगर

- प्रथम अहमदाबाद
- द्वितीय मुंबई
- द्वितीय सूरत
- तृतीय साउथ कोलकाता

संस्था को आर्थिक सुदृढ़ता प्रदान करने हेतु सादर आभार

तेरापंथ महिला मंडल, चेन्नई

श्री मांगीलालजी सेठिया, सुजानगढ़–दिल्ली

श्रीमती प्रकाशदेवी–मदनलालजी, श्रीमती कांतादेवी–महेंद्रजी,
श्रीमती शर्मिला निर्मलजी तातेड़, धानीन–मुंबई

श्री रूपचंदजी–श्रीमती सरोजजी दूगड़, बीदासर–मुंबई

श्रीमती सोनादेवी सूरजमलजी बैंगानी, झाझू–पाली–सूरत

श्रीमती कमलेशदेवी–कन्हैयालालजी, श्रीमती मनीषाजी–विकासजी बोथरा, लाडनूं–इस्लामपुर

श्रीमती गिन्नीदेवी, श्रीमती सरोज–मदनचंदजी, श्रीमती उषा–आलोकजी,
श्रीमती वंदना–अजितजी, अनुष्का, आनवी, अन्वेशा, आयांश दूगड़, सरदारशहर–मुंबई–सूरत

श्री जोधराजजी बैद, ABCi Infrastructures Pvt. Ltd., Kolkata-Guwahati-Silchar-Aizwal

डॉ.विजयसिंहजी–मंजू, विमलसिंहजी–प्रभा, अमित–मीनल, सुमित–डॉ.अदिति,
डॉ.श्रेयांस–डॉ.पूनम घोड़ावत, बीदासर–लाडनूं–इन्दौर

श्री बाबूलालजी, राकेशजी–अदिति सेखानी, बीदासर–अहमदाबाद

श्रीमती मंजू बेगानी, सूरत

श्रीमती राखी–राजेशजी, श्रीमती अभिलाषा–मुकेशजी बैद, लाडनूं–सूरत

श्री सुनीलकुमार रौनककुमार बुच्चा

श्रीमती सुमन भादानी, श्रीडूंगरगढ़–तिरुप्पुर

श्रीमती सुशीला–कन्हैयालालजी पटावरी, मोमासर–दिल्ली

श्रीमती पुष्पा–नोरतनमलजी बैंगानी, बीदासर–दिल्ली

श्रीमती सायर–अमरावजी बैंगानी, लाडनूं–दिल्ली

श्रीमती कमला श्री फतेहचन्दजी भंसाली, श्रीमती प्रेम श्री पारसमलजी भंसाली, दिल्ली

श्रीमती सुमन श्री विनयजी नाहटा, दिल्ली
श्रीमती सुनीता गुणमालाजी जैन, दिल्ली
श्रीमती कुसुम श्री राजेन्द्रजी बैंगानी, दिल्ली
श्रीमती गुलाबदेवी श्री हंसराजजी बैद, दिल्ली
श्रीमती रजनी श्री राजेन्द्रजी बाफना, दिल्ली
श्रीमती सुनीता डूंगरवाल

श्रीमती मंजू श्री बाबूलालजी भूतोड़िया, दिल्ली
श्रीमती अर्चना श्री नलिनजी भंडारी, नोएडा
श्रीमती मनफूल बोथरा, दिल्ली
श्रीमती पुष्पा समृद्धि बोकड़िया, दिल्ली
श्रीमती राजुल मनोत
श्रीमती सोनिका बैंगानी

आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार

आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार 2023 से श्रीमती रेखा शर्मा सम्मानित

परम श्रद्धेय आचार्य श्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल (अभातेममं) द्वारा 7 अक्टूबर 2023 को राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रेखा शर्मा को 'आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार 2023' से सम्मानित किया गया। पुरस्कार ग्रहण से पूर्व श्रीमती रेखा शर्मा ने आचार्यप्रवर एवं साध्वीप्रमुखाश्री के दर्शन कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने गुरुदेव के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की एवं आचार्य तुलसी के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। समाजोत्थान में विशिष्ट कार्य करने वाली महिला को इस पुरस्कार से पुरस्कृत करने की बात निवेदित की। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि पुरस्कार में प्रशस्ति पत्र एवं एक लाख रुपये की नकद राशि शामिल है।

पुरस्कार निर्देशिका डॉ. सूरज बरड़िया ने श्रीमती रेखा शर्मा का जीवन वृत्त बताते हुए कहा कि गत 6 वर्षों से वे राष्ट्रीय महिला आयोग का अध्यक्षीय नेतृत्व कर रही है। आपको त्रिवर्षीय लगातार दो कार्यकाल तक इस जिम्मेदारी के लिये मनोनीत किया गया है। श्रीमती शर्मा की सेवा भावना व कुशल नेतृत्व – महिला समाज के जागरण हेतु सक्रिय योगदान का श्रेष्ठतम उदाहरण है।

कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती सुमन नाहटा ने प्रशस्ति पत्र का वचन किया। तत्पश्चात आचार्यप्रवर की सन्निधि में श्रीमती रेखा शर्मा को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर श्रीमती रेखा शर्मा ने अपने भाव श्रीचरणों में समर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने आज जैन मुनियों की चर्या को निकट से देखा है। उन्होंने केश लुंचन के बारे में जिज्ञासा रखी।

इस पुरस्कार के प्रायोजक देवराज मूलचंद नाहर चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से श्री मूलचंद नाहर ने अपने भावों की अभिव्यक्ति दी एवं अपनी धर्मपत्नी श्रीमती शशिकला नाहर के साथ श्रीमती रेखा शर्मा को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया। पुरस्कार चयन समिति में श्री सुरेश गोयल, श्री कन्हैयालाल पटावरी, श्री सुरेन्द्र चोरडिया, श्री मूलचंद नाहर, श्रीमती सूरज बरड़िया, श्रीमती नीलम सेठिया एवं श्रीमती मधु देरासरिया शामिल थे।

पूज्यप्रवर ने फरमाया कि गणाधिपति गुरुदेव श्री तुलसी को समर्पित यह पुरस्कार विशिष्ट महिला को दिया जाता है। नारी जाति के उन्नायक तुलसीगणी ने नारियों को समाज में विशेष पहचान दिलवाई। पुरस्कार की कड़ी में रेखाजी शर्मा का नाम जुड़ना बहुत सार्थक नजर आ रहा है। पूज्यप्रवर ने रेखाजी शर्मा के केश लुंचन संबंधित जिज्ञासा का समाधान भी दिया।

आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार के प्रायोजक : देवराज मूलचंद नाहर चेरिटेबल ट्रस्ट, बेंगलुरु

श्रुतोत्सव
जैन स्कॉलर्स का दीक्षान्त समारोह

परम श्रद्धेय आचार्य श्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल (अभातेममं) द्वारा 6 अक्टूबर 2023 को श्रुतोत्सव दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया जिसमें जैन स्कॉलर को डिग्री प्रदान की गई। श्रुतोत्सव समारोह से पूर्व श्रद्धेया साध्वी प्रमुखा श्री जी ने समस्त जैन स्कॉलर को उद्‌बोधन प्रदान किया।

मंचीय कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के बारे में गुरुदेव को निवेदन करते हुए कहा कि जैन स्कालर जैसे उत्कृष्ट कोर्स का संचालन अभातेममं कर रहा है, यह पूज्यप्रवर की असीम अनुकंपा का ही सुफल है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया की इस बैच में 27 जैन स्कॉलर तैयार हुए है जो आज श्रीचरणों में अपनी डिग्री लेने हेतु समुपस्थित हुए हैं। इस कोर्स को जैन विश्व भारती संस्थान द्वारा certify किया जाता है। जैन स्कॉलर कोर्स हेतु निर्देशिका डॉ. मंजु नाहटा एवं सह–निर्देशिका श्रीमती कनक बरमेचा कर सार्थक श्रम लग रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यह भी बताया कि तत्त्व विज्ञ के प्रथम बैच के ज्ञानार्थी भी अपनी परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके हैं एवं वरीयता प्राप्त ज्ञानार्थी भी श्रीचरणों में उपस्थित हैं।

आचार्यश्री महाश्रमणजी ने जैन स्कॉलर्स को आध्यात्मिक विकास करते रहने की प्रेरणा दी। साथ ही अभातेममं के आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अंतर्गत संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों की सराहना करते हुए अभातेममं को इस कार्य में संलग्न रहने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने कन्याओं एवं युवाओं हेतु स्पेशल सर्टिफिकेट कोर्स 'Spiritual Enhancement Program' प्रारंभ करने की घोषणा भी श्री चरणों में निवेदित की। आपने बताया कि इस छोटे से कोर्स से जुड़कर कन्याएं एवं युवा जैन धर्म के मौलिक सिद्धांत एवं तेरापंथ दर्शन का प्रारम्भिक ज्ञान पाकर जैन धर्म एवं तेरापंथ के धरातल से जुड़ पाएंगे।

परम श्रद्धेय आचार्य श्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में 27 जैन स्कॉलर को सर्टिफिकेट एवं मेमेंटो प्रदान किए गए एवं वरीयता प्राप्त तत्त्व विज्ञ एवं प्रशिक्षकगण को मेमेंटों से सम्मानित किया गया।

जैन स्कालर कोर्स के आर्थिक संपोषणकर्ता श्री मदनलाल श्रीमती प्रकाश देवी तातेड़ (धानीन–मुंबई) की उपस्थिति रही। 'Spiritual Enhancement Program' हेतु आर्थिक संपोषणकर्ता के रूप में श्री सुमतिचंद श्रीमती सुमनश्री गोठी (सरदारशहर – मुंबई) के नाम की घोषणा की गई।

जैन स्कॉलर पाठ्यक्रम के प्रायोजक
श्री मदनजी–प्रकाशदेवी महेन्द्रजी–कान्तादेवी तातेड़, धानीन–मुंबई

जैन स्कॉलर श्रुतोत्सव में डिग्री प्राप्त करने वाले ज्ञानार्थी

- अरविन्द कुमार डोशी
- मीना जैन
- प्रमोदिता बोथरा
- सुनीता बैद
- पुष्पा मेहता
- राजुला मादरेचा
- ज्योत्सना पोखरणा
- शोभा डागा
- बिन्दु बोथरा
- नीता सोनी
- आशा गुन्देचा
- सुधांशु जैन
- चन्द्रपूर्वा पुगलिया
- जिन्नी जैन
- विमला गोलेच्छा
- मीना कोठारी
- मीना दूगड़
- कमलेश रांका
- अमिता देरासरिया
- चन्द्रकला पुगलिया
- दिनेश कोठारी
- अरुणा संचेती
- रंजू बैद
- स्नेहलता पुगलिया
- महेन्द्र सिंघवी
- मीना बाफना
- सुनीता छाजेड़

The Power
of Self-Power (आत्मशक्ति)

शिल्पशाला

आत्मा अपनी तीन शक्तियां – मन, बुद्धि और संस्कार द्वारा अपने गुणों का अनुभव करती है। हम अपने मन की सिर्फ दो प्रतिशत शक्ति का ही उपयोग करते है जबकि 98 प्रतिशत शक्तियां सुस्त पड़ी है। आवश्यकता है कि हम अपनी आत्मशक्ति को जागृत करें, अपने अंतर्निहित शक्ति को पहचानें और आत्मविश्वास को बढ़ाते हुए स्व–कल्याण और पर–कल्याण के मार्ग पर प्रशस्त हों।

आत्मशक्ति बढ़ाने के घटक तत्त्व

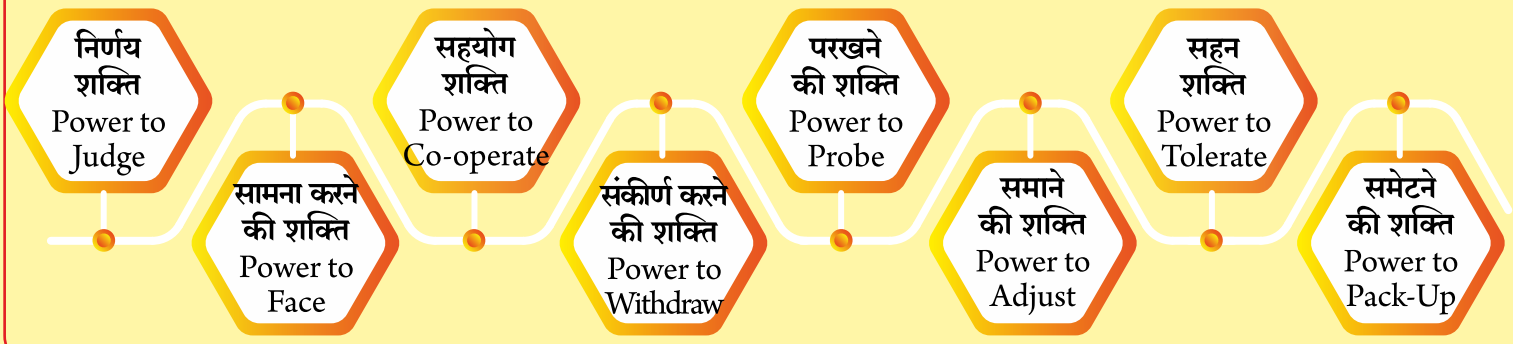

- **आत्मशक्ति कैसे बढ़ाएं ?**
  - नकारात्मक विचारों से रहें दूर
  - मनोबल बढ़ाने वालों के साथ रहें
  - खुद के हुनर को पहचानें
  - उपलब्धियों को याद करें
  - गलतियां करने से न डरें
  - गलतियों से सीखें
  - खुद पर भरोसा रखें
  - ज्ञान अर्जित करें

- **आत्मशक्ति जागृत करने के आध्यात्मिक तरीके**
  - ध्यान करना
  - मौन रहना
  - मन को शांत रखना
  - साक्षी भाव में रहना
  - अपने आपको अपनाना
  - आस्था रखना
  - अपने असली रूप को पहचानना
  - आत्म बोध होना

आत्मशक्ति को जागृत करने की प्रक्रिया

Practice

स्वयं के साथ वक्त बिताते हुए सकारात्मक सोच सहित जीवनयापन करें

Repeat

नियमित तरीके से अभ्यास करते रहें और आत्मविश्वास को जागृत करते रहें

Achieve

आत्मशक्ति की महत्ता को समझते हुए स्वयं का अन्तर्जागरण करें

उपरोक्त बिन्दुओं को समाविष्ट करते हुए अपने क्षेत्र में The Power शिल्पशाला का आयोजन नवम्बर माह में अवश्य करें। इस शिल्पशाला में एक सामायिक का लक्ष्य अवश्य रखें।

आध्यात्मिक प्रवृत्तियां

शृंखलाबद्ध

एकलठाणा (व्रत)

परमाराध्य युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के दीक्षा कल्याण वर्ष के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल शृंखलाबद्ध एकलठाणा के रूप में गुरु चरणों में तप संयममय उपहार समर्पित कर रहा है।

शक्ति आराधना के महान पर्व नवरात्रि से इस तप अभियान का प्रारम्भ हुआ। कर्म–निर्जरा और गुरु–भक्ति के इस महान अनुष्ठान में सभी शाखा मंडल सहभागी बनें और अपनी क्षमता के अनुसार अपने क्षेत्र में एकलठाणा अभियान चलाएं।

शाखा मंडलों से अनुरोध है कि तप की इस शृंखला में अपने क्षेत्र का नाम संयोजिका श्रीमती विनीता बेगानी मो. 9928695035 के पास शीघ्रातिशीघ्र दर्ज करवा कर इस महनीय उपक्रम में अवश्य सहभागी बनें। प्रत्येक क्षेत्र इस अनुष्ठान से अवश्य जुड़ें।

एकलठाणा क्या है?

* दस प्रत्याख्यान में पांचवें क्रम का तप है – एकलठाणा।
* एकलठाणा सामान्यतः एकासन व्रत है और उसकी साधना और प्रयोग थोड़ा भिन्न है।
* एकलठाणा में आहार ग्रहण करने की अवधि एक मुहूर्त्त (48 मिनट) से अधिक नहीं हो सकती।
* एकलठाणा में एक स्थान पर बैठकर एक आसन में खाद्य पदार्थ एक बार में ही थाली या प्लेट में लेकर मौनपूर्वक आहार किया जाता है।
* जमीकन्द और सचित्त का सर्वथा परिहार किया जाता है।
* एकलठाणा के प्रत्याख्यान पूर्व रात्रि 12 बजे से पूर्व करें। 12 बजे से सूर्योदय तक चौविहार त्याग अनिवार्य है।
* एकलठाणा में भोजन के पश्चात् तिविहार त्याग करना अनिवार्य है।
* जिस दिन एकलठाणा हो उस दिन सूर्यास्त से अगले दिन सूर्योदय तक चौविहार त्याग करना अनिवार्य है।

एकलठाणा प्रत्याख्यान सूत्र

एक्कामणं एगट्ठाणं पच्चक्खामि, तिविहं पि आहारं–असणं, खाइमं साइमं। अन्नतथणाभोगेणं, सहसागारेणं, सागारियागारेणं आउंटण–पसारणेणं, गुरुअब्भुट्ठाणेणं, पारिट्ठाणियागारेणं, महत्तरागारेणं, सव्वसमाहि–वत्तियागारेणं वोसिरामि।

एकलठाणा प्रत्याख्यान पारणा सूत्र

उग्गए सूरे, नमोक्कारसहियं एक्कासणं एगट्ठाणं पच्चक्खाणं कयं। त पच्चक्खाणं सम्मं कायेण फासियं, पालियं, तीरियं किट्टियं, सोहियं, आराहियं। जं च न आराहियं, तस्स मिच्छा मि दुक्कडं।

अब तक शृंखलाबद्ध एकलठाणा

15 अक्टूबर	–	बालोतरा	– 931	25 अक्टूबर	–	आकोला	– 10
16 अक्टूबर	–	पाली	– 321	25 अक्टूबर	–	बाड़मेर	– 65
17 अक्टूबर	–	जोधपुर सरदारपुरा	– 61	26 अक्टूबर	–	लावा सरदारगढ़	– 25
18 अक्टूबर	–	साउथ कोलकाता	– 123	27 अक्टूबर	–	गुलाबपुरा	– 7
19 अक्टूबर	–	जलगांव	– 327	27 अक्टूबर	–	छोटी खाटू	– 15
20 अक्टूबर	–	भीलवाड़ा	– 76	27 अक्टूबर	–	सुजानगढ़	– 26
20 अक्टूबर	–	अमराईवाड़ी	– 110	28 अक्टूबर	–	बीकानेर	– 40
21 अक्टूबर	–	ईस्ट दिल्ली	– 345	29 अक्टूबर	–	जयपुर शहर	– 893
21 अक्टूबर	–	मुम्बई	– 3567	29 अक्टूबर	–	राजमहेन्द्रवरम्	– 65
21 अक्टूबर	–	किशनगंज	– 125	29 अक्टूबर	–	ईस्ट दिल्ली	– 415
22 अक्टूबर	–	रायपुर	– 176	29 अक्टूबर	–	विशाखापट्टनम	– 30
22 अक्टूबर	–	आमेट	– 108	29 अक्टूबर	–	टापरा	– 79
23 अक्टूबर	–	साकरी	– 31	29 अक्टूबर	–	असाड़ा	– 15
23 अक्टूबर	–	सेमड़	– 52	30 अक्टूबर	–	नाथद्वारा	– 51
24 अक्टूबर	–	टी.दासरहल्ली बेंगलुरु	– 118	30 अक्टूबर	–	पचपदरा	– 14
24 अक्टूबर	–	बायतू	– 8	31 अक्टूबर	–	गांधीनगर बेंगलुरु	– 181
25 अक्टूबर	–	राजनगर	– 225	31 अक्टूबर	–	मोमासर	– 15
				31 अक्टूबर	–	उदयपुर	– 501

कन्या मंडल

असतो मा सद्गमय
18 पाप से हो निवृत्त - बनें पावन और पवित्र
Video Making Competition

- पाप क्या है?
- 18 पाप और मनोविज्ञान
- वर्तमान युग और 18 पापों की प्रासंगिकता
- दैनिक जीवन में 18 पापों से कैसे बचें?
- 18 पापों के नामों की अर्थ सहित व्याख्या करें
- पाप 18 ही क्यों?
- 18 पापों का शास्त्रीय आधार क्या है?
- शरीर, मन और भावतंत्र पर 18 पापों का प्रभाव
- 18 पापों के परिहार का आध्यात्मिक उपाय क्या है?
- 14 नियमों से 18 पापों पर रोक संभव है?

पापों से बढ़ते हैं तनाव, संताप और अशुभ कर्मों का प्रभाव।
जानें, समझें और विवेकी बनकर करें अपने आप का बचाव।

Rules & Guidelines

- पाप क्या है? कैसे हमें प्रभावित करते हैं, कैसे हम उससे मुक्त हो सकते हैं, इन सभी सन्दर्भों में आध्यात्मिक, वैज्ञानिक, व्यावहारिक कारणों को मौलिक रूप में प्रस्तुत करना ही इस 'असतो मा सद्गमय' का अभिप्राय है।
- 18 पाप से कोई एक पाप का चयन कर स्थानीय क्षेत्र इस प्रतियोगिता का आयोजन करे। प्रथम स्थान प्राप्त वीडियो को 25 नवम्बर 2023 तक संयोजिका खुशी बाफना मो. 9825454695 को प्रेषित करें।
- वीडियो animated नहीं होना चाहिए, विषय प्रस्तुति आपके स्वयं द्वारा enact हो। प्रस्तुति गणवेश में हो।
- कम से कम एक और अधिकतम कितनी भी कन्याएं इस प्रस्तुतिकरण में शामिल हो सकती है।
- वीडियो की समय सीमा न्यूनतम 1.30 मिनट और अधिकतम 2 मिनट की हो।
- Google Drive में आप इस वीडियो को अपलोड करें।
- सन्दर्भ पुस्तक : 18 पाप जानो और छोड़ो – आचार्य श्री महाश्रमण
- केन्द्रीय स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय को पुरस्कृत और शेष सभी को प्रोत्साहित किया जाएगा।

आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार के सन्दर्भ में प्रेस कान्फ्रेन्स

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा दि. 5.10.2023 को नन्दनवन मुंबई में वृहद् प्रेस कान्फ्रेन्स आयोजित की गई। मुंबई के समाचार पत्र एवं ई–मीडिया चैनल से लगभग 25 पत्रकारों की उपस्थित हुए। सर्वप्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार के उद्देश्य, चयन प्रक्रिया और रूपरेखा को स्पष्ट करते हुए विस्तृत जानकारी दी।

पुरस्कार निर्देशिका डॉ. सूरज बरड़िया ने अब तक पुरस्कार प्राप्तकर्त्ताओं की जानकारी प्रेस को दी। चीफ ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी ने 'क्षितिज' अधिवेशन की रूपरेखा प्रस्तुत की। महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने योजनाओं की जानकारी दी। इस प्रेस कान्फ्रेन्स में सहमंत्री श्रीमती निधि सेखानी, पूर्व महामंत्री श्रीमती तरुणा बोहरा, रा.का.स. श्रीमती रचना हिरण, श्रीमती रमण पटावरी, श्रीमती निर्मला चंडालिया आदि उपस्थित रहे। प्रेस कान्फ्रेन्स काफी प्रभावी रही। लगभग 40 समाचार पत्रों एवं न्यूज चैनल में इसे प्रसारित किया गया।

शाखाओं हेतु अधिवेशन में स्वीकृत नियम

- शाखाओं में परामर्शक की अधिकतम उम्र 65 वर्ष से घटाकर 60 वर्ष कर दी गई है।
- अभातेममं को देय शाखाओं की सदस्यता शुल्क प्रति वर्ष प्रति सदस्य रु. 5 से बढ़ाकर रु. 10 कर दी गई है।

आलोक पर्व दीपावली
भगवान महावीर निर्वाण दिवस

दीपावली का पर्व आलोक, प्रकाश और उजाले का पर्व है। अमावस्या की अंधेरी रात में भी ज्योतिर्मय बनने का पर्व है। जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर का निर्वाण दिवस भी है। इस पर्व पर हम अपने स्वयं के अन्तःस्तल को ज्योतिर्मय बनाएं और आध्यात्मिक ज्योति से ज्योतित बनने का संकल्प करें।

लोकोत्तर गतिविधि –

- आध्यात्मिक आराधना के क्रम में तेला तप की आराधना कर आराध्य के श्रीचरणों में अंतर्मन से अगाध आस्था समर्पित करें।
- आराधना की तिथि 11–12–13 नवम्बर, 2023 होगी।
- इस त्रिदिवसीय अवसर पर प्रतिदिन कम से कम 11 माला का जप करें।
- माला जप – 'ॐ ह्रीं श्रीं सकल कार्य सिद्धिकराय श्री वर्धमानाय नमः'
- भगवान महावीर की अभ्यर्थना में दीपावली के दिन जप करें – 'महावीर स्वामी केवल ज्ञानी, गौतम स्वामी चवन्नाणी' (यथासम्भव सामूहिक जप करें।)

लौकिक गतिविधि – दीपावली स्नेह मिलन : करें अपनों के संग

रूपरेखा :–

- स्नेह मिलन में विशेष रूप से युवती बहनों को आमंत्रित करें। (अधिकतम उम्र 45 वर्ष)
- युवती बहनें पारंपरिक परिधान में सहभागिता दर्ज कराएं।
- परिचर्चा – 'कैसे युवतियां कर सकती है मंडल को और रोशन'। जानिए युवतियों से मंडल को सशक्त करने के उपाय। चयनित तीन श्रेष्ठ सुझावों को स्थानीय मंडल प्रोत्साहित करे।
- स्थानीय स्तर पर युवतियों के लिए एक प्रतियोगिता आयोजित करें, जिसके अंतर्गत युवतियों को पारंपरिक धान्य (मिलेट्स) से स्वयं द्वारा बनाया हुआ एक तैयार व्यंजन लेकर आना है। चयनित सर्वश्रेष्ठ तीन विजेताओं को स्थानीय मंडल सम्मानित करे।
- आमंत्रित युवतियों की प्रतिभाओं और रूचि को जानने के लिए अभातेममं द्वारा प्रेषित गूगल फॉर्म भरवाएं। उनकी योग्यता और कौशल का उपयोग करने का यह एक प्रयास होगा।

Touch here for Google Form Link : http://surl.li/msnil

शासन गौरव
साध्वीश्री कल्पलताजी
के दर्शन करते हुए
अखिल भारतीय
तेरापंथ महिला मंडल
के नौ
अभूतपूर्व/वर्तमान
अध्यक्ष

काव्यामृतम् काव्यशाला

गत माह प्रदत्त थीम 'साहित्य : समाज का दर्पण' के आधार पर चयनित कविता :

साहित्य समाज का दर्पण है, करता ये युग का जागरण है
मन की अंधियारी गलियों के मिट जाते सारे आवरण है
प्रतिबिम्बित करता है ये चिर, दिखलाता मानव का चरित्र
शासन दूषित है या पवित्र, साहित्य मन की धड़कन है
घटनाएं जो भी घटती है, साहित्य में आ वो सिमटती है
नव इतिवृत को वो गढ़ती है, लेखन की हृदय का स्पंदन है
जीवन का यथार्थ ये दिखलाता, सच से ये रूबरू करवाता
साहित्य कभी न कतराता, सचमुच ये युग का चिन्तन है
शृंगार, वीर रस घोलता है, दबी हुई परत को खोलता है
जनमानमस को ये टटोलता है, साहित्य स्वयं आलम्बन है
होती समाज में जो हलचल है, देता खबर ये पल पल है
यहां कौन सबल और निर्बल है, साहित्य समय का संकलन है
सच्चाई की पहचान है ये, भगवद्गीता और कुरान है ये
युग की आंखें और कान है ये, साहित्य तेज का दर्शन है
साहित्य तो बस एक गहना है, जिसने भी इसको पहना है
बिन पढ़े उसे नहीं रहना है, आओ! करते अभिवंदन है

मुक्ता चिण्डालिया, हैदराबाद

साहित्य है समाज का दर्पण, समाज का चेहरा दिखाता।
हो रहा क्या समाज में, उसका गवाह वह बन जाता।।
तलवार से भी तेज होती, कलम की ताकत।
नहीं उसे कोई रोक पाता, जब चलती वह सरपट।।
भूले को सतपथ दिखलाता, भटके को राह दिखाता।
सत् साहित्य का नियमित वाचन, जीवन को गुलशन बनाता।।
भ्रष्टाचार, अनैतिकता पर, सीधा प्रहार है करता।
नेताओं की पोल खोलता, सोये समाज को जगाता।।
युगों-युगों की पहचान कराता, सभ्यता, संस्कृति से परिचय करवाता।
प्राचीन परम्पराओं को बतलाता, वर्तमान को अतीत से मिलाता।।
देशभक्तों की कहानी कहता, आजादी के गीत सुनाता।
ऋषि, मुनियों की गाथाएँ गाता, धर्म का सच्चा पाठ पढ़ाता।।
गीता, बाईबल, कुरान या आगम, युग को सच्ची राह दिखाते।
भटक रही मानवता को, सही पथ का मार्ग बताते।।
लेखक की लेखनी से, होता साहित्य का नव सृजन।
क्या अच्छा, क्या बुरा, बताता समाज को बन दर्पण।।

विमला कोठारी, मुंबई

तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन प्रशिक्षण शिविर

उत्तराध्ययन सूत्र – 'नाणेण जाणई भावे' अर्थात् ज्ञान के द्वारा पदार्थों को जाना जाता है और जानने से ही व्यक्ति को हेय–ज्ञेय–उपादेय का भान होता है। ज्ञान प्राप्ति का एक माध्यम है – स्वाध्याय। तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन का अध्ययन स्वाध्याय की ही विधाएं है जो आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अंतर्गत संचालित तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन पाठ्यक्रम में समाहित है।

दि. 5 व 6 अक्टूबर 2023 को श्रद्धेय आचार्यप्रवर के सान्निध्य में मुंबई नन्दनवन में अभातेममं द्वारा तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसमें तत्त्वज्ञान के छठे वर्ष के 59 तथा तेरापंथ दर्शन के पांचवें वर्ष के 4 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। शिविर का शुभारंभ आचार्यप्रवर के मंगलपाठ एवं साध्वीप्रमुखाश्रीजी की मंगल वाणी से हुआ। पूज्य गुरुदेव को किट व इस योजना की फाइल चीफ ट्रस्टी व निर्देशिक श्रीमती पुष्पा बैंगानी, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया, महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने भेंट की व इस योजना की जानकारी राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती मंजु भूतोड़िया ने दी।

सायं 8 बजे साध्वीप्रमुखाश्रीजी के सान्निध्य में परीक्षार्थियों का परिचय एवं वर्ष 2022 की परीक्षा में वरीयता प्राप्त परीक्षार्थियों का मेमेन्टो द्वारा सम्मान किया गया। साध्वीप्रमुखाश्रीजी ने फरमाया कि श्रावक ऐसा हो जो जीव–अजीव आदि को जाने। आचार्य भिक्षु एवं आचार्य भारमलजी के समय की घटना द्वारा समझाया कि तत्त्वज्ञान अंधकार को दूर करता है। तत्त्वज्ञान अलूणी शिला है जिसे सलूणी बनाया जा सकता है और यह हम मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर हो सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती मंजु भूतोड़िया ने किया। वर्ष 2023 तत्त्व विज्ञ के तृतीय वर्ष में वरीयता प्राप्त परीक्षार्थियों का गुरुदेव के सान्निध्य में मेमेन्टो व सर्टिफिकेट द्वारा सम्मान किया गया।

परीक्षक के रूप में चीफ ट्रस्टी व इस योजना की निर्देशक श्रीमती पुष्पा बैंगानी, संयोजिका श्रीमती मंजु भूतोड़िया, सह–संयोजिका श्रीमती कुसुम बैंगानी, परामर्शक श्रीमती लता जैन, रा.का.स. श्रीमती संतोष वेदमुथा, श्रीमती उर्मिला सुराणा, श्रीमती दीपाली सेठिया, श्रीमती पुखराज लुणावत थे। ट्रस्टी श्रीमती प्रकाश देवी तातेड़ व परामर्शक श्रीमती बिमला नाहटा, श्रीमती संगीता चपलोत व संपूर्ण मुंबई महिला मंडल का सराहनीय सहयोग रहा।

जिनके श्रम-नियोजन और सहकार से हुआ हर स्वप्न साकार
जिनका समर्पण बना संस्था के उन्नयन का मजबूत आधार
कर्त्तव्य कसौटी पर निखरे, संभाला हर दायित्व और प्रभार
कर रही हूं आज अंतर्मन से राष्ट्रीय कार्यसमिति का आभार

- नीलम सेठिया

राष्ट्रीय अध्यक्ष (2021–2023)

ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी

नवम्बर 2023

सन्दर्भ पुस्तक : 'शासन माता' द्वारा रचित 'गणं सरणं गच्छामि' (14, 15, 16, 17वां अध्याय)

रिक्त स्थान की पूर्ति करें

1. आम आदमी कोई नई ..... नहीं खींच सकता।
2. खणं जाणाहि ..... का मूल्य आंको।
3. उन्होंने मंत्र का ..... पहना और बैठ गए।
4. हमारी संस्कृति का शब्द है .....।
5. अणुव्रत प्रवक्ता श्री ..... जैन ने कहा – 'वैयक्तिक साधना जरूरी है।
6. महावीर ऐसा शब्द है जो ..... व्यक्तित्व का प्रतीक है।
7. ..... में सब प्रकार की समस्याओं का समाधान है।
8. युगीन मनोरचना में ..... के स्थान पर स्वच्छन्दता के संस्कार अधिक सक्रिय हैं।
9. समझ–बूझकर जैनधर्म की दीक्षा स्वीकार करने का भी एक ..... है।
10. अणुव्रत, प्रेक्षाध्यान और जीवन विज्ञान – तेरापंथ धर्मसंघ के ..... कार्यक्रम हैं।
11. दर्शकों और समीक्षकों की ..... दृष्टि सम्मेलन की हर गतिविधि पर अटकी रही।
12. आचार्य ..... के मस्तिष्क हिमालय से चिन्तन के नित नए निर्झर प्रवाहित होते रहते थे।
13. वस्तुतः मर्यादा महोत्सव एक ऐसा महापर्व है, जहां ..... निर्माण की प्रेरणा मिल सकती है।
14. एक आचार्य का नेतृत्व संघ के संगठन और विकास का ..... है।
15. जैसे ..... वस्त्र रघुकुल की धरोहर है, उसी तरह मर्यादा–पत्र हमारे धर्मसंघ की धरोहर है।
16. ..... एक विकास प्रधान संघ है।
17. आचार्यवर के विचार–वातायन से ..... की नई–नई तरंगे निकलती रहती हैं।
18. अनुप्रेक्षा का अर्थ है – निर्धारित लक्ष्य का सतत .....
19. साध्वीप्रमुखा श्री जी साहित्य – क्षितिज पर एक प्रौढ़ ..... के रूप में प्रतिष्ठित हैं।
20. प्रशासनिक दक्षता के साथ–साथ इनकी प्रबन्धन ..... भी विलक्षण है।

प्रविष्टि भेजने की अन्तिम तिथि : 20 नवम्बर 2023

Google Form Link : https://forms.gle/NWBEnW5bGhEcCNFD9 (Click here to go to Google Form)

संयोजिका : श्रीमती निर्मला चण्डालिया

अक्टूबर 2023 प्रश्नोत्तरी के सही उत्तर

01.	क्रान्तिमूलक	02.	प्राण	03.	पारलौकिक	04.	अपेक्षा	05.	विरोध
06.	प्रगति	07.	अर्थ	08.	नीति	09.	विनोद	10.	तेरापंथ
11.	तेजस्विता	12.	गांधीवादी	13.	सात्विक	14.	रूग्ण	15.	विलक्षण
16.	सेवा	17.	शक्ति	18.	स्वर	19.	स्वर्णिम	20.	कल्पवृक्ष

अक्टूबर 2023 प्रश्नोत्तरी के भाग्यशाली विजेता

1. निर्मला गर्ग, टोहाना
2. कनिका गेलड़ा, मुंबई
3. पंकज दूगड़, साउथ हावड़ा
4. कीर्ति कोठारी, कांकरोली
5. राजरानी जैन, जयपुर
6. आयुषी भटेवरा, ब्यावर
7. अनुष्का समदरिया, गुलाबबाग
8. रसवंती पटवा, लुधियाना
9. प्रियदर्शिनी जैन, सिकंदराबाद
10. राजकुमारी दूगड़, विशाखापट्टनम

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को
प्रदत्त सहयोग एवं प्रेरणा से प्राप्त अनुदान हेतु हार्दिक आभार

₹1,00,000	₹1,00,000
गुप्त दान	श्रीमती भंवरी देवी भंसाली के 'श्राविका गौरव' अलंकरण के उपलक्ष्य में श्रीमती मंजुलादेवी चैनरूप भंसाली (सुजानगढ़ – मुंबई)

'भावना सेवा' किचन वेन का लोकार्पण

प्रायोजक : श्री कन्हैयालालजी सुशीलाजी पटावरी एवं श्री महेन्द्रजी नाहटा (HFCL)

अभातेममं टीम 2021-2023

पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राज.) 341306

नारीलोक

देखने हेतु Touch to open www.abtmm.org

Touch to open
www.facebook.com/abtmmjain/

Touch to open
https://www.instagram.com/_abtmm_/

Touch to open
https://bit.ly/abtmmyoutube